नव उद्यम, जीवन का विज्ञान और राष्ट्र नीति पढ़ेंगे बच्चे

दिल्ली सरकार ने शुरू किए तीन शैक्षणिक पाठ्यक्रम

नए पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करना और सशक्त बनाना है : सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, 18 सितम्बर (नवोदय टाइम्स): मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने तीन नए शैक्षणिक पाठ्यक्रमों नव उद्यम और उद्यमिता विकास योजना, जीवन का विज्ञान और राष्ट्रनीति का औपचारिक शुभारंभ किया। सीएम ने कहा कि यह कार्यक्रम शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी कदम है, जो छात्रों को न केवल शैक्षणिक ज्ञान प्रदान करेगा, बल्कि उन्हें जीवन कौशल, उद्यमिता, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और जिम्मेदार नागरिकता के साथ सशक्त बनाएगा। भारत मंडपम में आयोजित इस कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री आशीष सूद भी मौजूद थे। इस पाठ्यक्रम को दिल्ली शिक्षा निदेशालय ने विकसित किया है।

सीएम ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करना है, जिसमें शैक्षणिक शिक्षा के साथ महत्वपूर्ण जीवन कौशल और नागरिक जिम्मेदारी भी शामिल है। तीन नए करिकुलम का उद्देश्य बच्चों में प्रारंभ से ही बिजनेस माइंडसेट विकसित करना, उन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से परिचित कराना और दक्ष बनाना है, ताकि समाज में केवल रोजगार खोजने वाले नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले व्यक्तित्व के रूप में उभरें। उन्होंने कहा कि साइंस ऑफ लिविंग पाठ्यक्रम के माध्यम से बच्चों के व्यक्तित्व के हर पक्ष को निखारा जाएगा और उनमें समाज के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ाया जाएगा।

नव उद्यम और उद्यमिता विकास योजना

नींव का उद्देश्य कक्षाओं को ऐसे मंचों में बदलना है जहां छात्र स्वतंत्र रूप से सोचना, टीमों में काम करना और वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए अपने विचार प्रस्तुत करना सीखते हैं। यह छात्रों को उद्यमी बनने, दिल्ली को एक उद्यमी ब्रांड बनाने में मदद करता है। इसका मुख्य उद्देश्य है।
● व्यावहारिक स्टार्टअप का अनुभव देना। ● वित्तीय और डिजिटल साक्षरता बढ़ाना। ● नवाचार और सामाजिक प्रभाव को प्रोत्साहित करना। ● उद्यमी कौशल और आत्मनिर्भरता को स[illegible]नाना। ● रटने की बजाय अनुभवात्मक शि[illegible]ढ़ावा देना। ● योग्यता-आधारित शिक्षा को [illegible] देना।

जीवन का विज्ञान (भारतीय ज्ञान प्रणाली)

यह कार्यक्रम छात्रों के समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए शैक्षणिक शिक्षा को सामाजिक और भावनात्मक कल्याण के साथ जोड़ता है। यह भारतीय ज्ञान प्रणाली में निहित है और पंचकोश मॉडल (शरीर, मन, ऊर्जा, ज्ञान और आनंद) पर जोर देता है। यह छात्रों में भावनात्मक, आध्यात्मिक, सामाजिक और बौद्धिक बुद्धिमत्ता को बढ़ाता है। इसके मुख्य बिंदु यह है।
● यह कार्यक्रम मौजूदा पाठ्यक्रम में एकीकृत किया जाएगा। ● यह भारतीय ज्ञान प्रणाली, आयुर्वेद और योग में निहित एक कल्याण-उन्मुख दृष्टिकोण पर आधारित है। ● यह दिल्ली-आधारित और समकालीन मुद्दों, जैसे मीडिया जागरूकता पर भी ध्यान केंद्रित करता है। ● कक्षा केजी से 12 तक के छात्रों के लिए इसे उम्र के अनुसार डिजाइन किया गया है। ● ध्यान, कहानी सुनाने, सामुदायिक परियोजनाओं और नैतिक बहस जैसी गतिविधियों के माध्यम से अनुभवात्मक शिक्षा पर जोर दिया गया है। ● यह सहानुभूति, लचीलापन, कृतज्ञता और दया जैसे जीवन कौशल और चरित्र की ताकत का निर्माण करता है।

राष्ट्रनीति (सक्रिय नागरिक भागीदारी)

यह एक मूल्य-आधारित शैक्षिक पहल है जो नागरिक चेतना, राष्ट्रीय गौरव, नेतृत्व कौशल और सक्रिय नागरिक भागीदारी को केजी से कक्षा 12 तक के स्कूल पाठ्यक्रम में एकीकृत करने के लिए डिजाइन की गई है। इसका उद्देश्य छात्रों को जिम्मेदार नागरिक और [illegible] के नेता बनने के लिए सशक्त बनाना है। मुख्य उद्देश्य [illegible]
● राष्ट्रीय गौरव और नागरिक जिम्मेदारी विकसित करना। ● शासन को समझना। ● नैतिक नेतृत्व और निर्णय लेने को प्रोत्साहित करना। ● आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान को बढ़ावा देना। ● संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करना। ● सामाजिक सद्भाव और समावेशी विकास को बढ़ावा देना। ● व्यावहारिक जुड़ाव और अनुभवात्मक शिक्षा को बढ़ाना।